डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 271 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 17 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

जेब पर भारी पड़ रहा बुखार..!

जांच से लेकर उपचार तक में दो हजार का फटका

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दिन और रात के तापमान में अंतर, मौसम में हो रहे बार-बार बदलाव, कभी ठंडक तो कभी उमस के चलते लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ इस बात को प्रमाणित कर रही है। अस्पताल तक पहुंचने वाले 75 प्रतिशत मामलों में बदन व पेट दर्द, वायरल फीवर, गले में खराश खांसी, जोड़ो में दर्द, आई फ्लू के मरीज अस्पताल में पहुंच रहे हैं। बड़े अस्पताल की बात करें तो ओपीडी में रोजाना औसत 800 लोग पहुंच रहे हैं। इसके अलावा निजी अस्पतालों में भी मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सामान्य मौसमी वायरल कभी मेडिकल की 20 रुपए की दवाई से ठीक हो जाता था। लेकिन, अब एक से दो हजार रुपए का फटका लोगों को लग रहा है। अस्पताल में जाने के बाद मलेरिया सहित अन्य जांचों में मोटी रकम और उसके बाद दवाईयों पर खर्च। एक सप्ताह के आराम के बाद कहीं जाकर इस वायरल से मुक्ति मिल रही है। इधर अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगी हुई है।

इस तरह जेब पर भारी पड़ रहा उपचार...

पहले लोग घरों में ही मेडिकल या छोटे मोटे डॉक्टर से दवाई लेकर सौ दो सौ रुपए में ठीक हो जाते थे। लेकिन, इस बार वायरल एक से दो हजार का पड़ रहा है। अस्पताल जाते से ही पांच सौ से हजार रुपए नर्सिंग होम में फीस। इसके बाद सीवीसी जांच के ढाई सौ रुपए, सीआरवी के अस्सी रुपए और मलेरिया जांच के पचास रुपए। इसके बाद कम से कम 800-900 रूपये दवाईयों का खर्च। फिर दोबारा चिकित्सक के पास परामर्श के लिए जाना। अगर नर्सिंग होम में एडमीट होते हैं तो उसके बाद रुपयों का आंकड़ा बढ़ जाता है।

मौसमी बीमारियों ने लोगों को घेरा

बीमारियों के प्रकोप के कारण...

✻ बारिश से नमी युक्त वातावरण रहना। ✻ बारिश थमने के बाद उमस भरी गर्मी बढ़ना। ✻ मक्खी-मच्छर सहित अन्य जीवों का तेजी से बढ़ना। ✻ उमस भरे मौसम में कीटाणुओं का तेजी से पनपना। ✻ खाली स्थानों पर बारिश के पानी का अधिक समय तक जमा रहना।

बचाव के लिए ये सावधानी रखें...

✻ मौसम के अनुकूल आहार लें। बाजार में खुली सामग्री का उपयोग नहीं करें। ✻ घरों में या आसपास के इलाकों में बारिश का पानी जमा नहीं होने दें। ✻ सर्दी-जुकाम से ग्रसित लोगों से अपेक्षित दूरी बनाकर रखें। ✻ संक्रमित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं। उसके कपड़े व सामान का उपयोग नहीं करें। ✻ सार्वजनिक व अधिक भीड़ वाले स्थानों पर जांच से बचे।

कीटाणुओं के लिए अनुकूल माहौल...

एकाएक बीमारों की संख्या में इजाफे का कारण बदला मौसम और बीमारियों के कीटाणुओं के लिए अनुकूल माहौल होना बताया जा रहा है। जिले में इस बार पहले गर्मी फिर कुछ दिन बारिश और फिर उमस व गर्मी के चलते लोगों के शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। बारिश थमने के बाद मौसम में उमस भरी गर्मी का प्रभाव अधिक है। इस कारण जिले में

मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है।

मेडिकल एक्सपर्ट व्यू...

चिकित्सकों के अनुसार बारिश और इसके बाद उमस भरी गर्मी का मौसम बीमारियों के कीटाणुओं के लिए अनुकूल मौसम होता है। इस कारण मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। सर्दी-जुकाम और बुखार का प्रकोप अधिक है। आमजन कुछ सावधानी बरतकर बीमारियों से बच सकते हैं। इसके बाद भी वे बीमारियों के प्रभाव में आते हैं तो चिकित्सकों से परामर्श लें। बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाइयों का सेवन नहीं करें।

वेक्यूम टेंकर से 14 लाख रूपये कीमती बीयर मिली

पुष्पा फिल्म की तर्ज पर हो रही थी तस्करी

गुजरात जाने से पहले मंदसौर पुलिस ने पकड़ी 400 पेटी से ज्यादा बीयर

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थाने की कचनारा चौकी पुलिस ने एक वेक्यूम टेंकर को रोककर तलाशी ली तो उसमें 415 पेटी बीयर मिली। जिसे जप्त कर लिया गया। बीयर की कीमत करीब 14 लाख रूपए आंकी गई है। यह बीयर राजस्थान से गुजरात ले जाई जा रही थी। गुजरात पहुंचने से पहले शराब मंदसौर पुलिस ने जप्त कर ली। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुष्पा फिल्म की स्टाईल में शराब तस्करी का मामला सामने आया है। जिसमें दलौदा थाने की कचनारा चौकी पुलिस टीम ने एक टेंकर से 14 लाख रूपये कीमती शराब जब्त की है। टैंकर में वेल्डिंग कर स्कीम बनाकर 415 पेटी शराब ले जाई जा रही थी। शराब गुजरात से राजस्थान के लिए जा रही थी। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना पर कचनारा चौकी के सामने महू नीमच राजमार्ग पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान वेक्यूम टैंकर जीजे 24 एक्स 9921 को रोका गया। चालक मुकुल पिता पारस मेवाडा जाति कलाल उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम कुडी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड तहसील लुणी जिला जोधपुर (राजस्थान) से पूछताछ की गई। चालक से वेक्यूम टैंकर में भरी सामग्री के बारे में पूछते ट्रक के पीछे वेक्यूम टैंकर के अन्दर स्कीम बनाकर अंग्रेजी शराब बीयर की पेटिया भरी होना बताया। बाद वेक्यूम टैंकर के पीछे वाला ढक्कन खुलवाकर देखा तो टेंकर के अन्दर स्कीम बनाकर एक खिड़की नुमा दरवाजा बना हुआ था। इसे खोलकर देखते खाकी रंग के खोखे में अंग्रेजी शराब टू बर्ग कंपनी बीयर की पेटिया (टीन वाली) भरी होना पाई गई।

टैंकर में भरी अंग्रेजी शराब बीयर की पेटियों को नीचे उतरवाकर गिनती की गई। देर रात तक कार्रवाई चलती रही। जिसमें टेंकर से जो अंग्रेजी शराब बीयर टू बर्ग कम्पनी की कुल 415 पेटिया (टीन वाली) जिसकी प्रत्येक पेटी में 24 बीयर (टीन के) व प्रत्येक बीयर (टीन) 500 एमएल क्षमता की भरी होकर 04 हजार 980 बल्क लीटर होकर कुल किमत 14 लाख 44 हजार 200 रुपये की होना पायी गयी, जो जब्त की गई। उक्त शराब आरोपी द्वारा राजस्थान जोधपुर से भर कर सूरत गुजरात तरफ ले जाना बताया गया। जिसके संबंध ने विवेचना जारी है। मामले में पुलिस ने फिलहाल आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर का महत्वपूर्ण फैसला...

तय समय पर कराना होंगे श्री चारभुजानाथ मंदिर पंच माहेश्वरीयान ट्रस्ट के चुनाव

मंदसौर तहसीलदार के पर्यवेक्षण में होंगे चुनाव, प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को मतदाता बनाना होगा, विज्ञप्ति जारी करनी होगी

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। माहेश्वरी समाज के ट्रस्ट श्री चारभुजा नाथ मंदिर पंच माहेश्वरीयान ट्रस्ट मंदसौर के वर्ष 2022 में हुए चुनाव मामले में पंजीयन लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर ने अपने न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 02/बी-113(4)/2025-2026 आशुतोष नवाल विरुद्ध कृष्णचंद आदि में 09 जुलाई 2025 को एक महत्वपूर्ण निर्णय पारित कर चुनाव से पूर्व मतदाता सूची बनाने हेतु विज्ञप्ति प्रकाशित कर विधि अनुरूप प्रक्रिया का पालन कर चुनाव कराने के निर्देश दिए है। चुनाव भी तय समय 17 सितंबर 2025 के पूर्व कराना होंगे।

उल्लेखनीय है कि माहेश्वरी समाज ट्रस्ट के सदस्य आशुतोष नवाल ने अपने अभिभाषक डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं तनुऋषि राठौर के माध्यम से एक याचिका पंजीयन लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर के समक्ष प्रस्तुत की थी। जिस पर सुनवाई के लंबे अंतराल के बाद यह महत्वपूर्ण फैसला आया है।

प्रकरण के बारे में जानकारी देते हुए अभिभाषक डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि इस मामले में जो आदेश आया है, उसमें निर्देश दिए गए हैं की पूरी चुनाव प्रक्रिया तहसीलदार मंदसौर शहर की देखरेख में उनके पर्यवेक्षण में संपन्न होगी और जरूरत पड़ने पर तहसीलदार मंदसौर अपने कर्मचारियों का दल बनाकर इस प्रक्रिया को संपादित करेंगे। आगे जानकारी देते हुए अभिभाषक डॉ तोमर ने बताया कि न्यायालय ने अपने फैसले में लिखा है कि माहेश्वरी समाज मन्दसौर के प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को मतदाता बनाना अनिवार्य होगा तथा उसकी सूची की विधिवत विज्ञप्ति का प्रकाशन करना होगा। सूची बनाने से पूर्व दावे आपत्ति भी लिए जाएंगे। पूर्व में जो चुनाव हुए थे वह ट्रस्ट के विधान के विपरीत हुए थे। ट्रस्ट के विधान के निर्देश अनुसार चुनाव करवाए जाएं, ऐसा आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

अभिभाषक डॉ तोमर ने बताया कि ट्रस्ट का गठन वर्ष 1976-77 में श्रीमान पंजीयन लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 01/75-76/बी-113 एवं 03/76-77/बी-113 के माध्यम से हुआ था। जिसमें ट्रस्ट की सम्पूर्ण प्रक्रिया निर्धारित की गई थी एवं ट्रस्ट का विधान भी बनाया गया था और उसी के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया होनी थी। लेकिन, प्रक्रिया के विपरीत निर्वाचन होने पर यह याचिका न्यायालय पंजीयन लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर के समक्ष प्रस्तुत की गई थी, जिस पर यह महत्वपूर्ण फैसला आया है।

शराब के नशे में हुए विवाद में साथी को मार डाला

आरोपी पुलिस गिरफ्त में

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा के ग्राम कैथूली में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने अरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शराब के नशे में हुए विवाद के बाद आरोपी ने अपने साथी को ईट और पत्थरों से हमला कर मार डाला था।

पुलिस ने बताया कि 01 जुलाई को ग्राम कैथुली के भैरु बावजी मंदिर भगवानपुरा रोड स्थित सराय में एक व्यक्ति का शव खून से लथपत मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त केसरीलाल माली निवासी केथूली के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि मामले में मृतक के परिजनों और उसके पिता कंवरलाल माली व अन्य लोगो से पुछताछ कर घटनाक्रम जानकर और केसरीलाल की हत्या संबंधी प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख कर मौके पर ही विवेचना प्रारंभ की गई। घटना स्थल से वैज्ञानिक तरीके से भौतिक साक्ष्य संकलन हेतु फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट एवं डाग स्क्वाड के व्दारा भी निरीक्षण किया। मौके से भौतिक साक्ष्य संकलन

किये, शव का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल भानपुरा से कराया गया।

केसरीलाल हत्याकांड के संदिग्ध व चिन्हित व्यक्ति कुलदीपसिंह राजपूत निवासी झालावाड़ को राजस्थान की सीमा क्षैत्र जंगल से हिरासत में लिया गया। केसरीलाल की मारपीट के दौरान निकला खून कुलदीपसिंह की पेंट, शर्ट व चप्पलो पर मौजूद मिला। आरोपी कुलदीपसिंह ने घटना के बारे में पुछताछ में बताया कि मैं और केसरीलाल विगत सप्ताह भर से कैथुली स्थित जैन मंदिर मे पुताई का कार्य एक साथ कर रहे हैं। रात्री मे भेरु बाउजी के पीछे सराय मे खाना बना कर सोते थे। उस दिन रात्री मे साथ मे शराब पीकर खाना बनाने के बाद दोनों में विवाद हुआ। इसके बाद केसरीलाल की आरोपी कुलदीपसिंह ने ईट और कोटा स्टोन से हमला कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जैल भेज दिया गया।

20 वीं पुण्यतिथि पर स्मरण

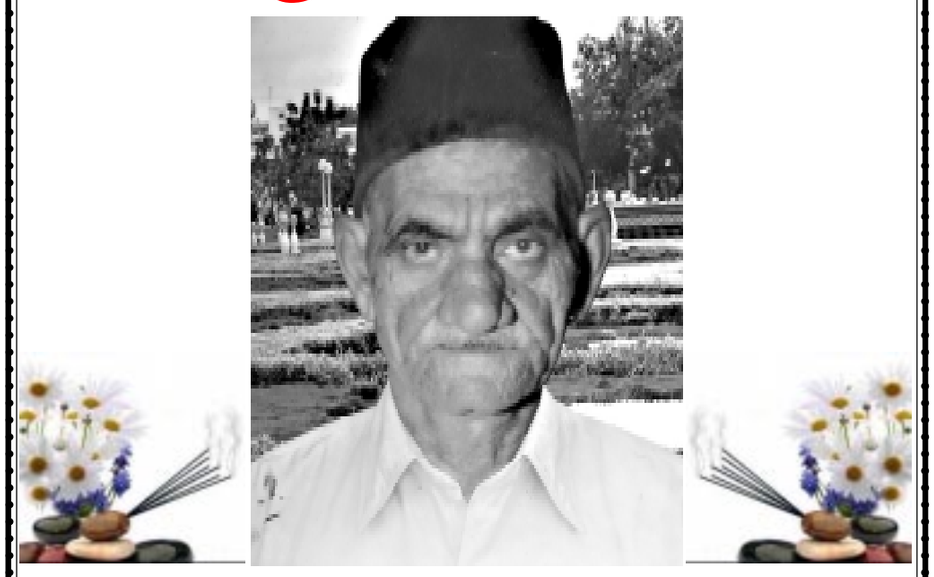

स्व. कन्हैयालालजी ईनाणी

(महाप्रयाण दि. 17.7.05)

की 20 वीं पुण्यतिथि पर

हार्दिक श्रद्धासुमन

✻✻✻✻✻ श्रद्धावनत् ✻✻✻✻✻

ईनाणी परिवार, मंदसौर, प्रतापगढ़ व घाटोल

✻✻✻✻✻✻✻✻✻✻ फर्म ✻✻✻✻✻✻✻✻✻✻

रवि रेडियो, मन्दसौर मो. 9826095778

बिना पार्किंग के नर्सिंग होम बन रहा लोगों की परेशानी का सबब

सीएमओ पहुंची श्री एसआरएम हॉस्पिटल, चौबीस घंटे में पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के कई निजी नर्सिंग होम्स नियम कायदों की तगड़ी धज्जियां उड़ा रहे हैं। कई बड़े नर्सिंग होम्स में पार्किंग व्यवस्था ही नहीं है। एमओएस के नियमों को जेब में रखकर नर्सिंग होम्स चलाए जा रहे हैं। इधर नगरपालिका का अभयदान इन नर्सिंग होम संचालकों पर लंबे समय से है। ताजा मामला नई आबादी गुरु द्वारा रोड स्थित एसआरएम हॉस्पिटल का है। यहां सीएमओ अनिता जाकोटिया अमले के साथ पहुंची। चौबीस घंटे में पार्किंग व्यवस्था करने का अल्टीमेटम भी दिया। हालांकि इसके पहले 08-10 बार नोटिस देने की कार्रवाई नगरपालिका इस नर्सिंग होम्स को कर चुकी है। इसके अलावा पूर्व सीएमओ सुधीर कुमार तो अतिक्रमण तोड़ने के लिए पुलिस विभाग और तहसीलदार को लिख भी चुके थे। लेकिन, रातों रात कार्रवाई की हवा

निकल गई।

निवासियों के घरों के बाहर वाहन...

यहां सबसे ज्यादा परेशान है स्थानीय रहवासी। नर्सिंग होम संचालक ने एमओएस छोडने की बजाय वहां पक्का निर्माण करवा लिया। जिससे वाहन नर्सिंग होम के सामने बीच सडक पर मरीज के परिजन खडे कर रहे हैं। इसके अलावा लोगों के घरों के बाहर वाहनों को खडा कर दिया जाता है। जिससे लोगों के घर से निकलने में ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पार्षद की शिकायत, फिर भी नहीं हो रही कार्रवाई...

इस मामले में रहवासियों ने कई बार नगरपालिका में शिकायत की। सीएम हेल्पलाईन में भी शिकायत की गई। इसके अलावा क्षेत्रीय पार्षद और सभापति निलेश जैन तक ने इस मामले में शिकायत कर अधिकारियों को कई बार अवगत कराया। लेकिन अधिकारी इस नर्सिंग होम संचालकों पर भारी मेहरबान बने हुए है।

फिर बुलाया गया सीएमओ को, दिया अल्टीमेटम...

सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की फाईल में भी नर्सिंग होम की पार्किंग का मामला दर्ज है। सीएम हेल्पलाईन में बढ़ती शिकायतों को नगरपालिका टटोल रही है। वहीं श्री राम मोहन हॉस्पिटल की शिकायत उप्परी स्तर तक पहुंच गई है। इसके अलावा रहवासियों की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यही कारण रहा कि सीएमओ अनिता जाकोटिया को रहवासियों ने मौके पर बुलाया। सीएमओ को अस्पताल संचालकों ने आश्वासन दिया। इस पर सीएमओ ने कहा कि चार माह से तो जनपद में अधिकारी रहते हुए यहां हो रही लोगों की समस्याओं को मैं देख रही हैं। 24 घंटे में अस्पताल संचालक को पार्किंग व्यवस्था करने की हिदायत दी गई है।

रातों रात सीएमओ का विचार बदल गया...

यह पहला मामला नहीं है कि नगरपालिका ने इस अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई का मूड बनाया है। इसके पहले 08-10 बार नोटिस की औपचारिकता भी निभाई जा चुकी है। वहीं तत्कालीन सीएमओ सुधीर कुमार ने तो पुलिस और तहसीलदार को पत्र लिखकर अस्पताल को तोड़ने तक की प्लानींग कर दी थी। इसके लिए शाम को पत्र लिखकर सुबह पुलिस बल की मांग भी की। लेकिन, सुबह इस कार्रवाई की हवा निकल गई। वहीं लोगों की समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है।

विचार-मंथन

बिहार में अपराध बेलगाम...

बिहार में कुछ महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मगर राजनीतिक दलों के बीच जनहित से जुड़े मुद्दों पर बात होने के बजाय राज्य फिलहाल जघन्य अपराधों के सिलसिले के लिए सुर्खियों में है। हैरानी की बात यह है कि एक समय 'जंगल राज' का हवाला देकर नीतीश कुमार और उनकी पार्टी ने राज्य की सत्ता हासिल की थी, तो उसकी पृष्ठभूमि में सबसे बड़ा कारण यही था कि उन्होंने आपराधिक घटनाओं के बेलगाम होने और उससे लोगों के असुरक्षित महसूस करने को ही मुख्य मुद्दा बनाया था। उसके बाद नीतीश कुमार पिछले करीब बीस वर्षों से राज्य की सत्ता पर लगातार काबिज हैं।

बिहार में बदलाव के लिए उन्होंने अपना एक सबसे अहम नारा यही दिया था कि वे राज्य में आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाएंगे और आम लोगों की जिंदगी को सुरक्षित बनाएंगे। मगर इतने वर्षों के बाद भी अगर जमीनी हकीकत यह है कि अमूमन हर रोज हत्या जैसे जघन्य अपराध बेलगाम हो गए दिख रहे हैं, तो इसकी रोकथाम में नाकामी की जिम्मेदारी किसकी बनती है।

गौरतलब है कि पटना और सारण जिले में रविवार को हुई अलग-अलग घटनाओं में एक वकील और एक शिक्षक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। साथ ही, पटना के पिपरा इलाके में एक स्वास्थ्य अधिकारी की भी हत्या कर दी गई। इसके अलावा, सोमवार को बेगूसराय में तीन लोगों पर गोलीबारी और एक हत्या की घटना सामने आई। ऐसा लगता है कि राज्य में अपराधी पूरी तरह बेखौफ और बेलगाम हो चुके हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

वरना क्या वजह है कि हाल में पटना में एक बड़े व्यवसायी की हत्या की घटना के तूल पकड़ने के बावजूद राज्य की कानून-

व्यवस्था के मोर्चे पर कुछ भी ऐसा नहीं देखा जा रहा है, जिससे आपराधिक तत्त्वों के भीतर कानून का खौफ पैदा हो और वे किसी अपराध को अंजाम देने से हिचकें। उल्टे ऐसा लगता है कि कानून-व्यवस्था पर से राज्य सरकार की लगाम छूट चुकी है और अपराधी सरेआम अपनी मनमानी कर रहे हैं। सवाल है कि ऐसी स्थिति में राज्य की जनता को सरकार और अपराधों पर काबू पाने की उसकी क्षमता के बारे में क्या सोचना चाहिए?

बिहार में सरकार की लाचारी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सब कुछ ठीक होने के तमाम दावों के बावजूद संगीन अपराधों का एक विचित्र सिलसिला सामने आ रहा है, जिसमें व्यापारी, शिक्षक, वकील जैसे अपेक्षया बेहतर स्थिति में माने जाने वाले लोगों को भी घोर असुरक्षा में जीना पड़ रहा है। ऐसे में आम लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य अपराध रेकार्ड ब्यूरो के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 लोगों की हत्या के साथ 1,376 मामले सिर्फ हत्या के दर्ज किए गए। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के मुताबिक भी बिहार लगातार जानलेवा हथियारों से जुड़े अपराधों के साथ-साथ हिंसक अपराधों के मामले में देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है।

अगर सरकार या पुलिस का यह मानना है कि पिछले कुछ समय से अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध दस्तावेजों के आधार पर खरीदे गए आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद की आसान उपलब्धता ने जघन्य अपराधों के ग्राफ में तेजी ला दी है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? राज्य सरकार क्या केवल सुशासन के हवा-हवाई दावों और लोकलुभावन वादों के बूते वहां की मौजूदा त्रासद स्थिति का सामना कर सकती है?

नेपाल: देउबा के समर्थन से पीएम बने रहेंगे केपी ओली!

सुरेंद्र फुयाल

- नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, हाल ही में दो छोटे दलों के गठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने के कदम के बावजूद, अपना कार्यकाल पूरा करने को लेकर आश्वस्त हैं. दो दलों के गठबंधन से बाहर होने के कारण प्रधानमंत्री ओली को 30 दिनों के भीतर सदन में विश्वास मत का सामना करना पड़ेगा.
- 4 जुलाई को, नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में चार सीटों वाली नागरिक मुक्ति पार्टी (एनयूपी) ने औपचारिक रूप से ओली के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा की. इससे पहले 22 जून को, एक अन्य गठबंधन सहयोगी जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-एन) ने सुशासन, आर्थिक सुधार और संवैधानिक सुधार सुनिश्चित करने में विफलता का आरोप लगाते हुए ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था. जेएसपी-एन के प्रतिनिधि सभा में पांच सदस्य हैं.

इसका मतलब यह हो सकता है कि 275 सदस्यों वाले सदन में लगभग 9 वोटों का नुकसान हो सकता है, जहां ओली को भारी बहुमत प्राप्त है. उनकी पार्टी सीपीएन-यूएमएल के पास 79 सीटें हैं, और उनके प्रमुख गठबंधन सहयोगी नेपाली कांग्रेस (एनसी) के पास 88 सीटें हैं. जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद ओली ने सदन में आसानी से विश्वास मत जीता, उन्हें 188 वोट मिले, यानी बहुमत के आंकड़े से 50 सीटें अधिक मिली थीं. ओली-देउबा के बीच समझौता : ओली ने हाल ही में पश्चिमी नेपाल के लुम्बिनी प्रांत की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, कोई भी ताकत इस सरकार को नहीं गिरा सकती, यहां तक कि तोप के गोले भी प्रधानमंत्री की कुर्सी नहीं गिरा सकते. इसके बाद, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगली गर्मियों में अपना दो साल के कार्यकाल पूरा होने के तुरंत बाद, वह प्रधानमंत्री की कुर्सी अपने गठबंधन सहयोगी

शेर बहादुर देउबा को सौंप देंगे. नेपाल में एनसी और यूएमएल के बीच गठबंधन को इस हिमालयी राष्ट्र में पिछले 35 वर्षों के लोकतांत्रिक दौर में सबसे अजीब और अभूतपूर्व गठबंधन माना जा रहा है. क्योंकि अतीत में, ये दोनों पार्टियां संसद में एक-दूसरे के खिलाफ ही रही हैं. ओली सरकार के कामकाज की व्यापक आलोचना के बावजूद, भावी प्रधानमंत्री देउबा अब तक ओली के साथ मजबूती से खड़े हैं, और ओली भी उनके साथ हैं. देउबा ने भी कई बार स्पष्ट किया है कि गठबंधन बरकरार रहेगा. ऐसा होने की एक बहुत ही ठोस वजह है. जुलाई 2024 में देउबा और ओली के बीच हुए समझौते ने, अन्य बातों के अलावा, 2015 के संविधान में सुधार और सबसे स्पष्ट रूप से, नवंबर 2027 में होने वाले अगले चुनावों तक प्रधानमंत्री की कुर्सी दोनों के बीच बारी-बारी से बदलने की नींव रखी. इसलिए, जब जुलाई 2026 में देउबा नई सरकार की कमान संभालेंगे, तो वह नए चुनाव के मौके पर सरकार के प्रभारी होंगे. अगर यह समझौते के अनुसार होता है - अपने 80वें जन्मदिन से कुछ महीने पहले - जब देउबा छठी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनेंगे और एक नया रिकॉर्ड स्थापित करेंगे. यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन इस मामले में नयापन दो अनुभवी राजनेताओं के बीच प्रधानमंत्री पद बारी-बारी से साझा करने का समझौता है - जो इस युवा गणतंत्र के इतिहास में अनसुना है. कई टिप्पणीकारों ने उनकी नई साझेदारी को सुविधा का आदर्श बंधन बताया है, जिसे तब तक तोड़ना मुश्किल है जब तक उनका मिशन पूरा न हो जाए. ओली के लिए कठिन परिस्थिति : पांचवीं बार प्रधानमंत्री बने केपी ओली फरवरी में 73 वर्ष के हो गए और उनका दावा है कि वह न केवल पार्टी का नेतृत्व करने के लिए, बल्कि आने वाले कई वर्षों तक सरकार चलाने के लिए भी पूरी तरह फिट और मजबूत हैं. पार्टी का नेतृत्व के लिए अधिकतम 70 वर्ष की आयु सीमा में संशोधन इसलिए किया गया क्योंकि ओली पार्टी और राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए शीर्ष पर बने रहना चाहते थे.

लेकिन यहां एक और बात है. पूर्व सीपीएन-यूएमएल नेता और पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी, जो दो कार्यकाल तक इस प्रतिष्ठित पद पर रहीं, हाल ही में पार्टी की राजनीति में लौट आई हैं, जिससे कई राजनेता खासकर ओली, स्तब्ध हैं, जो आने वाले कई वर्षों तक पार्टी का नेतृत्व करने के लिए दृढ़ हैं.

64 वर्षीय विद्या भंडारी ने 27 जून को अपने दिवंगत पति मदन भंडारी की 70वीं जयंती के अवसर पर यह चौंकाने वाली घोषणा की. लोकप्रिय वामपंथी नेता और सीपीएन-एमएल के महासचिव मदन भंडारी की 32 साल पहले 16 मई, 1993 को रहस्यमय परिस्थितियों में चितवन के दासधुंगा में एसयूवी कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी. केपी ओली के नेतृत्व में की गई जांच में वास्तविक कारण का पता नहीं चल सका, लेकिन इसे एक अनसुलझा रहस्य बताया गया. अपने पति के निधन के बाद विद्या भंडारी ने केपी ओली और अन्य वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में राजनीति में प्रवेश किया. अब राजनीति में उनकी अचानक वापसी ने नेपाल में कई लोगों को हैरान कर दिया है, खासकर यूएमएल या एनसी नेताओं को. यूएमएल प्रमुख ओली के अलावा, उनके इस कदम से हैरान लोगों में एनसी प्रमुख देउबा भी शामिल हैं, जिन्होंने कथित तौर पर हाल ही में एक बैठक के दौरान अपने साथी ओली से विद्या भंडारी के इस कदम के पीछे का कारण जानने की कोशिश की थी.

यह एनसी की हाल ही में हुई केंद्रीय कार्य समिति की बैठक के बाद हुआ, जिसमें कई नेता पूर्व राष्ट्रपति भंडारी की हालिया गतिविधियों के पीछे के मकसद को लेकर काफी उत्सुक दिखे. कथित तौर पर कई एनसी नेता इस बात को लेकर उत्सुक थे कि नेपाली सेना की पूर्व सर्वोच्च कमांडर (विद्या भंडारी) पार्टी की राजनीति में फिर से क्यों शामिल होना चाहती हैं. 27 जून को बोलते हुए भंडारी ने यही कहा था: चूंकि अब मेरे पास कोई पूर्व राजनीतिक जिम्मेदारियां नहीं हैं, इसलिए मैंने दोबारा पार्टी की सदस्यता लेने का निर्णय लिया है, जिसका मेरा सबसे अच्छा इरादा सीपीएन-यूएमएल में बने रहना और पार्टी की राजनीतिक यात्रा जारी रखना है. मई के अंत और जून की शुरुआत में नेपाल के पड़ोसी देश चीन की अपनी 10 दिवसीय यात्रा के बाद विद्या ने यह आश्चर्यजनक घोषणा की. इस यात्रा के दौरान, कई वरिष्ठ चीनी नेताओं ने उनका नेपाल की वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता के रूप में स्वागत किया था. हालांकि, राजनयिक नोटों के अलावा, विवरण स्पष्ट नहीं हैं.

लेकिन, विश्लेषकों का कहना है कि भंडारी का राजनीति में दोबारा प्रवेश ओली के नेतृत्व का एक विकल्प पेश कर सकता है. साथ ही कई यूएमएल नेताओं का मनोबल भी बढ़ा सकता है. लंबे समय में, जैसा कि कुछ एनसी नेताओं को डर है, वह आधा दर्जन से ज्यादा कम्युनिस्ट पार्टियों की एकता को फिर से स्थापित करने में भी भूमिका निभा सकती हैं.

अमित शाह रिटायरमेंट के बाद करेंगे वेद और उपनिषदों का अध्ययन

शिवानी सिंह

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हाल में ही अपने रिटायरमेंट प्लान के बारे में बताया था। जिसमें उन्होंने कहा कि अब वेद, उपनिषद का अध्ययन करने के साथ प्राकृतिक खेती करेंगे। अमित शाह ने अपने रिटायरमेंट के बारे में तो अभी से ही प्लान कर लिया है कि वह धार्मिक ग्रंथ पढ़ने वाले हैं। आप भी खूब वेद, उपनिषद बोलते होंगे। लेकिन आप क्या जानते हैं कि वेद और उपनिषद कितने प्रकार के होते हैं और इनकी रचना किसने की थी। इसके साथ ही इन सभी में से कौन सा श्रेष्ठ माना जाता है।

कितने प्रकार के होते हैं वेद और उपनिषद?

बता दें कि वेद 4 प्रकार के होते हैं और उपनिषद 108 माने गए हैं, लेकिन इनमें से 11 से 13 उपनिषद को ही प्रमुख माना जाता है, जिन्हें शंकराचार्य जैसे दार्शनिकों ने लिखा है।

ऋग्वेद : इस ग्रंथ को सबसे प्राचीन वेद है। सम्पूर्ण ऋग्वेद में 10 मंडल, 1028 सूक्त और सूक्त में 11 हजार मंत्र है। इस वेद में देवताओं की स्तुति, प्रार्थनाएं और यज्ञों के मंत्र के बारे में बताया गया है। बता दें कि इस वेद से अन्य तीन वेद यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की उत्पत्ति हुई है। इसी वेद में 33 कोटि देवी-देवताओं का उल्लेख है।

यजुर्वेद : यजुर्वेद की 101 शाखाएं बताई गई हैं, किंतु मुख्य दो शाखाएं ही अधिक प्रसिद्ध है, जो है कृष्ण यजुर्वेद और शुक्ल यजुर्वेद। यह यज्ञों और अनुष्ठानों की विधियों पर आधारित है। इसमें कर्मकांड और आचार-विधान की प्रमुखता है। इसके अलावा इस वेद में आर्यों के सामाजिक और धार्मिक जीवन में भी प्रकाश डाला है।

सामवेद : तीसरा वेद सामवेद है। संपूर्ण सामवेद में कुल 1875 संगीतमय मंत्र हैं, जिसमें से 1504 मंत्र ऋग्वेद से लिए गए हैं। इसमें संगीत के रूप में वेद मंत्रों का संकलन है। यज्ञों में गान हेतु उपयोग होता है।

अथर्ववेद : चौथा वेद अथर्ववेद है, जिसे ब्रह्मवेद भी कहा जाता है। इस वेद में देवताओं की स्तुति, चिकित्सा, विज्ञान और दर्शन के भी मंत्र हैं। इस वेद में 20 काण्ड, 730 सूक्त और 6000 मंत्र है। इसमें से लगभग 1200 मंत्र ऋग्वेद से लिए गए हैं। इस वेद में घरेलू उपचार, तंत्र-मंत्र, रोग निवारण, सामाजिक नियम, और जीवन के व्यवहारिक पक्षों का उल्लेख है।

उपनिषद कितने हैं? : प्राचीन काल में 108 उपनिषद माने गए हैं, लेकिन इनमें से करीब 13 उपनिषद प्रमुख माने जाते हैं। उपनिषद का शब्द का अर्थ है- ज्ञान के समीप बैठना यानी गुरु के पास बैठकर आत्मा-ब्रह्म का ज्ञान प्राप्त करना। ये वेदांत का हिस्सा हैं और आत्मा, ब्रह्म, मोक्ष, अद्वैत जैसे विषयों को विस्तार से समझाते हैं।

ईशोपनिषद, केन उपनिषद, कठ उपनिषद, प्रश्न उपनिषद, मुण्डक उपनिषद, माण्डूक्य उपनिषद, तैत्तिरीय उपनिषद,ऐतरेय उपनिषद, छांदोग्य उपनिषद, बृहदारण्यक उपनिषद, श्वेताश्वतर उपनिषद, कौषीतकि उपनिषद, मैत्रायणी उपनिषद।

वेद-उपनिषद में कौन है ज्यादा श्रेष्ठ? : वेद-उपनिषद में कौन श्रेष्ठ है ये कहना काफी मुश्किल है। भगवद गीता के अध्याय 15 और श्लोक 15 में कहा गया है 'वेदैश्च सर्वैरहमेव वेद्यः' यानी सभी वेदों का सार है भगवान की पहचान और यह सार उपनिषदों में मिलता है। वहीं शंकराचार्य कहते है कि कर्म से चित्त शुद्ध होता है, लेकिन मोक्ष केवल ज्ञान से ही संभव है।

ये कहा जाता है कि अगर वेद शरीर है तो उपनिषद आत्मा है। दोनों एक दूसरे पूरक है। अगर आपको आत्म ज्ञान की तलाश है, तो आपके लिए उपनिषद बेस्ट हो सकते हैं और अगर आप यज्ञ, कर्म, और सामाजिक जीवन में रुचि रखते हैं, तो वेद आपका अच्छे से मार्गदर्शक कर सकता है।

वेद-उपनिषद पढ़ने के लाभ: कहा जाता है कि वेदों का अध्ययन करने से आत्मा और परमात्मा के स्वरूप को अच्छे से जानने में मदद मिलती है। इनका अध्ययन करके जातक धर्म, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना सिखाता है। मंत्रों का जाप करके मन, तन शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। वेद पढ़ने से दिमाग संतुलित रहता है। तनाव, भय आदि से मुक्ति मिलती रहे। वेदों का अध्ययन करने से शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन बनता है। वेद का अध्ययन करने से जीवन के चार पुरुषार्थों (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) को संतुलित करने में मदद मिलती है।

वेदों में आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र, धातु विज्ञान, वास्तु आदि का मूल रूप छिपा है।

यौन उत्पीड़न की शिकायत के बाद कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता ने किया आत्मदाह, प्रशासन और शासन की लापरवाही

किसी भी आपराधिक घटना में न्याय मिलने में जरूरत से ज्यादा विलंब या न्याय मिलते नहीं दिखना, पीड़ित व उसके परिवार की पीड़ा को कई गुना बढ़ा देता है। कई बार तो पीड़ित व्यक्ति इतना आहत हो जाता है कि उसके जीने की इच्छा तक दम तोड़ देती है। ओड़ीशा में बालासोर के एक कालेज की छात्रा के साथ भी संभवतः यही हुआ।

इस छात्रा ने अपने एक शिक्षक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता आत्मदाह जैसा चरम कदम उठाने पर मजबूर हो गई और अब उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सवाल है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कालेज प्रशासन ने इस मामले में

तत्काल गंभीरता और संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई? पीड़िता को ऐसा क्यों महसूस हुआ कि उसे न्याय नहीं मिल पाएगा? गौरतलब है कि पीड़ित छात्रा ने संबंधित कालेज की आंतरिक अनुपालन समिति में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। खबरों के मुताबिक, न सिर्फ उस पर तत्काल जांच जैसी कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि मामले को दबाने के लिए दबाव भी बनाया गया। इससे आहत होकर पीड़िता ने खुद को आग लगा ली। अब वह अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है।

इस घटना के बाद कालेज के प्राचार्य और विभागाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है और मामले में मुख्य आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही सरकार ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की है। सवाल है कि अगर कालेज प्रशासन की ओर से ऐसी सक्रियता पहले दिखाई गई होती, तो क्या छात्रा को खुद को आग लगाने की हद तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता था?

अक्सर देखा गया है कि जब कोई घटना तूल पकड़ लेती है, तो उसके बाद ही शासन और प्रशासनिक अमला हरकत में आकर चुस्ती दिखाने लगता है। जबकि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है। सरकार को इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आरोप और घटना की गहन जांच हो, सच्चाई सामने आए, दोषी को सजा मिले और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो। तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है।

शासकीय जमीनों के संरक्षण का अभियान....

राजस्व टीम ने रामपुरा के मान्याखेड़ी में 0.50 हेक्टेयर शासकीय जमीन से हटाया अवैध अतिक्रमण

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा शासकीय जमीनों के संरक्षण एवं अवैध अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया के निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम ने शुक्रवार को ग्राम मान्याखेडी में शासकीय जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाकर, 30 लाख रुपए मूल्य की शासकीय जमीन का अवैध कब्जे से मुक्त करवाया हैं। एसडीएम श्री पवन बारिया ने बताया, कि तहसीलदार रामपुरा श्री मृगेन्द्र सिसोदया एवं राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से मंगलवार को ग्राम मान्याखेडी में जे.सी.बी. की सहायता से लगभग 0.50 हैक्टेयर शासकीय जमीन पर कुछग्रामीणों द्वारा मिट्टी डालकर, बाडा बनाकर, अवैध कब्जा कर रखा था, जिसे हटा दिया गया हैं। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का मूल्य लगभग 30 लाख रुपए है।

राजस्व टीम ने मजीरिया में शासकीय जमीन से हटाया अवैध अतिक्रमण –कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा शासकीय जमीनों के संरक्षण एवं अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान निरंतर चलाया जा रहा है इस अभियान के तहत एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया के निर्देशन में राजस्व विभाग की टीम ने शुक्रवार को ग्राम मान्याखेडी में शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटाकर, 2 करोड रुपए मूल्य की शासकीय जमीन को कब्जे से मुक्त करवाया गया है। एसडीएम श्री पवन बारिया ने बताया, कि तहसीलदार रामपुरा श्री मृगेन्द्र सिसोदया एवं राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से मंगलवार को ग्राम मजीरिया में जे.सी.बी. की सहायता से लगभग 0.34 हैक्टेयर शासकीय जमीन जो रामपुरा-गाँधी सागर से लगी हुई है जिस पर फसल बोकर अतिक्रमण किया गया था उक्त अतिक्रमण को बुधवार को हटाया गया हैं। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का मूल्य लगभग 2 करोड रुपए बताया जा रहा है। जिले में शासकीय जमीनों के संरक्षण का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

नशा मुक्ति अभियान के तहत छात्राओं को नशे के दुष्परिणाम की जानकारी दी व शपथ दिलाई

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महारानी लक्ष्मीबाई शा.क.उ.मा.विद्यालय मंदसौर में नशा मुक्ति दिवस पर नारकोटिक्स विभाग के मार्गदर्शन में सेमिनार कार्यक्रम आयोजित आयोजित किए गया। जिसमें नारकोटिक्स विभाग के डीएसपी श्री राजेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने छात्राओं को नशे की लत, शराब, बीडी सिगरेट तम्बाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों की जानकारी दी। नारकोटिक्स विंग के टी आई श्री राकेश चौधरी एवं उनके सहयोगी निरीक्षक श्री भारतसिंह चावडा ने भी समाज मे नशे दूर रहने एवम घर, परिवार व जीवन में नशा न करने की शपथ दिलाई।

नशामुक्ति दिवस सांदीपनि महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य श्री के .सी.सोलंकी ने कहा कि नशा करने वाले परिवार की आर्थिक, सामाजिक स्थिति बहुत खराब होती है, नशा करने वालो के बच्चे पढाई नही कर पाते, इसलिए परिवार नशे से दूरी बना के रखे। आपने छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। उसके पश्चात 300 छात्राएं रैली के रूप में नगर के प्रमुख चौराहों से गुजरी और नशे के विरुद्ध नारे लगाए और लोगों को जनजागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर गतिविधि प्रभारी श्रीमती रचना आर्य, क्रीड़ा प्रभारी श्रीमती रेणुका आचार्य, जया सोनी, वरिष्ठ शिक्षक श्री हमीदखान जैदी, सुरेश बोराना, कुन्दन सांखला, जयंत तारे मुनमुन जैन एवम समस्त स्टाफ ने सहभगिता की। आभार जयंत तारे ने माना।

खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ फसलों के लिए अऋणी एवं ऋणी किसानों के फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। जिन कृषकों ने बैंको से के.सीसी.लिया है, उनका बीमा बैंक द्वारा किया जा रहा है। किसी कारण से बैंक द्वारा बीमा नहीं किया गया है, तो वह कृषक बैंक में संपर्क कर फसल बीमा करा सकते हैं।

अऋणी कृषक ऐसे करवाए फसल बीमा– अऋणी व जिन कृषकों का फसल बीमा छूट गया है वह कृषक अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए शीघ्र ही पास की बैंक शाखा जैसे सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा राष्ट्रीयकृत बैंक और जन सेवा केंद्र (सीएससी), एमपी ऑनलाईन पर जाकर फसल बीमा कराए। जिससे फसल नुकसानी के समय अऋणी कृषकों को भी फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकें। फसल बीमा कराने के लिए आधार कार्ड (मोबाइल नंबर से जुडे हुआ), जमीन सिकमी (बटाई पर) होने पर इसका शपथ पत्र, भू-अधिकार ऋण पुस्तिका, बैंक खाते का विवरण, पासबुक, बुवाई प्रमाण पत्र (स्व प्रमाणित), पटवारी या (पंचायत सचिव से प्राप्त) होना जरूरी हैं। उप संचालक कृषि नीमच ने कृषकों को सलाह दी है, कि खरीफ फसलों का बीमा अवश्य करायें, ताकि प्रतिकूल मौसम के कारण फसल नुकसान या उपज में कमी होने पर फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान की प्रतिपूर्ति हो सके।

राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का समापन

प्रथम स्थान पर मंदसौर व द्वितीय स्थान इंदौर रहा, बेस्ट डिसिप्लिन अवार्ड से खरगोन जिले से आई सैनिक स्कूल की टीम को सम्मानित किया

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन के संयोजन में एवं जिला स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन मंदसौर के तत्वावधान में तीन दिवसीय 5वी राज्य स्तरीय फुल कॉन्टैक्ट कराते प्रतियोगिता का आयोजन मंदसौर के मनमोहन वाटिका कौशल्या रिसोर्ट में किया गया।

संस्था के उपाध्यक्ष विजय कोठारी सचिव गगन कुरील ने बताया कि प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में पधारे अतिथियों ने विजयी खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए। तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मंदसौर द्वितीय स्थान पर इंदौर रहा। बेस्ट डिसिप्लिन अवार्ड से मध्य प्रदेश के खरगोन जिले से आई सैनिक स्कूल की टीम को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंदसौर विधायक विपिन जैन, कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, विशेष अतिथि सांसद प्रतिनिधि गौरव अग्रवाल, समाजसेवी नाहरू खा मेव, समाजसेवी दृष्टानंद नैनवानी, नाकोडा गैस एजेंसी की संचालक इष्ट भाचावत, वरिष्ठ पत्रकार महावीर जैन, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. कमलेश कुमावत, भाजपा नेता क्षितिज पुरोहित, संस्था संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य अनिल कियावत मंचासीन थे। आर आई पुलिस विभाग दिनेश बेन भी प्रतियोगिता देखने प्रतियोगिता स्थल पहुंचे एवं खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी एवं प्रतियोगिता की सराहना की। पत्रकार मुकेश आर्य एवं रिसोर्ट ऑनर ओमप्रकाश कुमावत भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मंदसौर विधायक विपिन जैन ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की सराहना की और कहा संस्था द्वारा लगातार कई वर्षों से खिलाड़ियों के प्रति कार्य किया जा रहा है। 29 वर्षों से महारानी लक्ष्मी विद्यालय में निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है यहां के बच्चे नेशनल इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में भाग ले कर हर साल गवर्नमेंट से स्कॉलरशिप और स्पोर्ट्स कोटा से कई खिलाड़ी सरकारी नौकरी में पदस्थ हैं यह संस्था बधाई के पात्र है जो निस्वार्थ मंदसौर के खिलाड़ियों के भविष्य लिए कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने प्रतियोगिता समिति को बधाई देते हुए कहा कि समिति ने बाहर से आए खिलाड़ियों के लिए रहने और खाने की बहुत अच्छी व्यवस्था की है खेल से जीवन में नई उर्जा चेतना और शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, और ऐसे खेल जो सेल्फ डिफेंस में आते हैं, यह आज के वर्तमान स्थिति के अनुसार बालिकाओं को बहुत आवश्यक है, इससे बढ़ते हुए अपराध में अंकुश लगता है, पूरी समिति बधाई के पात्र है जो कई बरसों से मंदसौर में मार्शल आर्ट का निःशुल्क प्रशिक्षण दे रही है। स्वागत उद्बोधन संस्था संरक्षक अनिल कियावत ने दिया प्रतियोगिता की रूपरेखा संस्था उपाध्यक्ष विजय कोठारी ने बताई। प्रारंभ में अतिथियो का स्वागत विजय कोठारी, सैयद आफताब आलम, गगन कुरील, असलम खान, सुनील हीवे, अशोक गहलोत, दुर्गेश बेलानी, यशवंत सिह राठौर, कमलेश डोसी, धर्मेन्द्र सिंह रानेरा, लीगल एडवाइजर दीनदयाल भावसार, हितेश सालवी आदि ने किया। संचालन संस्था उपाध्यक्ष विजय कोठारी ने किया व आभार टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम ने माना।

अब तक 26117 मिट्रीक टन उर्वरक वितरीत

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में खरीफ 2025 के लिए किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। उप संचालक कृषि श्री पी.एस.पटेल ने बताया, कि जिले में इस खरीफ सीजन के लिए अबतक 26117 मिट्रीक टन उर्वरक का उठाव हो चुका हैं। इसमें यूरिया 9360 मिट्रीक टन, डीएपी 4241 मिट्रीक टन, एमओपी 163.700, एनपीकेएस 4310.75एवं एसएसपी 8441 मिट्रीक टन उर्वरक का उठाव हो चुका हैं।

जिले में 18117 मिट्रीक टन उर्वरक उपलब्ध–उप संचालक कृषि नीमच श्री पटेल ने बताया, कि नीमच जिले में वर्तमान में 18 हजार 117 मिट्रीक टन से अधिक उर्वरक की उपलब्धाता हैं। इसमें यूरिया 7146, डीएपी 1507, एमओपी 1015, एनपीकेएस 2661, मिट्रीक टन एवं एसएसपी 5787 मिट्रीक टन उर्वरक उपलब्ध1 है।

प्रदेश के 183 नगरीय निकायों में 218 पिंक टॉयलेट

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं को सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिशन पिंक टॉयलेट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 183 नगरीय निकायों में 218 पिंक शौचालय संचालित हो रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस मिशन में 100 करोड रूपये के निवेश की कार्ययोजना तैयार की है। मिशन के माध्यम से प्रदेश के सभी निकायों में मिशन पिंक टॉयलेट तैयार किये जायेंगे।

पटेला में खनिज उत्खनन हेतु पट्टा दिया जिससे किसानों को होगा भारी नुकसान, पट्टा जारी नहीं करने की मांग

लामबंद होकर किसानों ने विधायक, कलेक्टर, तहसीलदार, खनिज अधिकारी को दिया ज्ञापन

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पटेला के कृषकों ने बुधवार को विधायक विपिन जैन, डिप्टी कलेक्टर स्वाती तिवारी, जिला खनिज अधिकारी, दलौदा तहसीलदार वंदना हरित व ग्राम पंचायत पटेला सचिव को ज्ञापन देकर ग्राम पटेला की कृषि भूमि पर खनिज, गिट्टी, पत्थर, एम. सेंड एवं मोरम उत्खनन हेतु पट्टा जारी करने के संबंध में आपत्ती दर्ज कराते हुए पट्टा नहीं दिये जाने की मांग की।

ग्रामवासियों ने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए गांव के विभिन्न सर्वे नम्बरों की भूमि पर भगतराम पिता रामबद्ध पाटीदार निवासी मंदसौर द्वारा खनिज गिट्टी, पत्थर एम. सेंड.एवं मुरम हेतु उत्खनिजपट्टा जारी किये जाने हेतु तहसील कार्यालय में कार्यवाही प्रचलित है। यदि यह पट्टा जारी किया जाता है तो उक्त भूमि के आस-पास गांव के कृषकों की कृषी भूमियां स्थित है। क्रेशर मशीन की जो धूल उडेगी उससे कृषकों की भुमि बंजर हो जावेगी। उक्त भूमि के आस पास ही ग्राम पटेला व रीछालालमुंहा के लगभग 20 किसानों जो की अफीम काश्त के लाईसेंसधारी किसान है जिनके द्वारा अफिम की खेती की जाती है वो भी हम कृषक केशर मशीन की धुल के कारण नहीं कर पायगे और शासन द्वारा चाही गई औसत की अफिम फसल नही दे पायेगें अफिम काश्त की फसल के लिये जो मिट्टी चाहिये उसकी गुणवत्ता की नष्टहो जावेगी। उक्त फसल के अलावा भी उक्त भुमि के आस-पास फल व सब्जी की खेती भी की जाती है वह भी नहीं हो पाएगी और उक्त भुमि में 500 मजदुर पुरे वर्ष काम करते है जिनके स्वास्थ पर भी धूल व बारूद का बुरा असर पडेगा। उक्त भूमि के पास 40 लाख रू. की लागत से प्लास्टिक युक्त तालाब भी है जिसकी दिवारे मोरम की बनी हुई है, ब्लास्टिंग होने से तालाब नष्ट हो जावेगा। इसलिये ग्राम वासियों की परेशानी को पट्टा जारी नहीं किया जावे। कृषक ईश्वरलाल पाटीदार व प्रहलाद कुमावत ने बताया कि क्रेशर मशीन लगाने को लेकर के गांव में कई दिनों से लोगों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है ग्रामीणों का कहना है कि यदि दबंगों द्वारा प्रशासन पर दबाव बनाकर के क्रेशर मशीन लगाई जाती है तो इससे छोटे छोटे किसानों को बहुत नुकसान होगा। इस अवसर पर ग्राम पटेला के कृषक शक्तिदान सिसौदिया, ईश्वरलाल पाटीदार, हरीश पाटीदार, रमेशचंद्र कुमावत, मथुरा कुमावत, कमलेश राठौर, कोमल शर्मा, मनीष शर्मा, रामचंद्र गायरी, भंवरलाल हायरी मोहनलाल कुमावत, प्रहलाद कुमावत, मोहन कुमावत, प्रहलाद कुमावत, मनीष शर्मा, मथुराराम कुमावत, देवराय हायरी, दोलतराम कुमावत, रामेश्वर पाटीदार, घनश्याम राठौड, घनश्याम पाटीदार, कालूलाल राठौड, किशनलाल कुमावत, कृष्ण गोपाल राठोर, सुखदेव राठौड सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

नशा मुक्ति अभियान पर छात्रों से की वन टू वन चर्चा

मनासा, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नशीले पदार्थो का सेवन एक गंभीर सामाजिक समस्या है जो व्यक्ति और परिवार, समाज को गहरे स्तर तक प्रभावित करता है। यह न केवल व्यक्तियों के स्वास्थ्य को खतरे में डालता है बल्की अपराधो में वृद्धि का भी एक प्रमुख कारण है। उक्त बात मनासा एसडीओपी श्रीमती शाबेरा अंसारी ने शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुकडेश्वर में नशा मुक्ति अभियान के तहत स्कूली छात्रों के समक्ष रखी। वंही पुलिस थाना कुकडेश्वर के थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने उपस्थित छात्रों व शिक्षकगणों के समक्ष जानकारी देते हुए बताया कि नशे जैसी इस गंभीर समस्या से समाधान और एक स्वास्थ्य एवं नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु नशे से दूरी आवश्यक है। हम स्वयं नशे से दूरी रखे व अपने परिजन को भी नशे से दूर रहने हेतु प्रेरित करे। ज्ञात हो कि 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक मध्य प्रदेश में चलाये जाने वाले नशामुक्ति जन जागृति अभियान को लेकर नीमच जिला पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में पूरे नीमच जिले में नशा मुक्त अभियान पर व्यापक स्तर से प्रचार प्रसार करते हुए जन जागरूकता फैलाई जाएगी। इसी के तहत कुकडेश्वर नगर के शासकीय विद्यालय में नशा मुक्त अभियान को मूर्त रूप देने हेतु पुलिस अधिकारियो द्वारा उपस्थित छात्रों व शिक्षकों को जागरूकता हेतु प्रेरित किया गया व नशा मुक्ति से सम्बन्धी एक लघु फ़िल्म भी टीवी के माध्यम से दिखाई गई साथ ही सभी को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी प्राचार्य दिलीप ग्वाला, विनोद मालवीय, कुशाल प्रजापति सहित शिक्षक शिक्षिकाएं व पुलिस परिवार टीम सहित नगर रक्षा समिति के सदस्य मौजूद थे।

स्वास्थ्य अमले का दस्तक सह स्टाप डायरिया अभियान संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

नीमच, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में 22 जुलाई से आयोजित होने वाले दस्तक सह स्टाप डायरिया अभियान के सम्बन्ध में सी.एच.ओ., ए.एन.एम., आशा, आंगनवाडी कर्मचारियों का प्रशिक्षण अनुविभागीय अधिकारी श्री संजीव साहू की उपस्थिति में आयोजित किया गयाइस प्रशिक्षण में श्री साहू ने निर्देश दिए, कि दस्तक अभियान में सभी कर्मचारी गंभीरता से कार्य करे, श्री साहू ने दस्तक अभियान के साथ ही स्वस्थ्य यकृत मिशन, एनिमिया मुक्त भारत, टी.बी. मुक्त भारत की गविविधियों का भी आयोजन भी करने के निर्देश दिए।

दस्तक अभियान के दौरान गंभीर एनिमिया, न्यूमोनिया, डायरिया वाले बच्चों को भी तत्काल उच्च संस्था पर रैफर करने के निर्देश प्रशिक्षण में दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.आर.के.खद्योत ने कर्मचारियों को निर्देशित किया, कि दस्तक अभियान नियत कार्ययोजना के अनुसार ही आयोजित किया जावे तथा बिना किसी पूर्व सूचना के कोई भी सत्र निरस्त ना करें। सत्र स्थल पर पर्याप्त मात्रा में औषधि एवं सामग्री विशेषकर ओ.आर.एस.पैकेट उपलब्ध हो। जिला टीकाकरण अधिकारी डा.बी.एल. सिसोदिया ने बताया, कि दस्तक अभियान सह स्टाप डायरिया अभियान में 5 वर्ष से कम उम्र के गंभीर कुपोषित बर्चा की सक्रिय पहचान, त्वरित प्रबंधन एवं आवश्यकता अनुसार रेफरल, एचबीएनसी तथा एचबीवायसी की तर्ज पर उच्च जोखिम वाले नवजात एवं शिशुओं का चिन्हांकन एवं रेफरल किया जावेगा 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में डिजिटल हेमोग्लोबिनोमीटर द्वारा एनीमिया की जांच तथा प्रोटोकॉल आधारित प्रबंधन, 9 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को आयु अनुरुप विटामिन ए अनुपूरण अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता द्वारा ओआरएस पैकेट व जिंक टेबलेट का वितरण किया जाएगा। प्रशिक्षण में विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी डा.विजय भारती, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री आरिफ खान, समस्त सेक्टर के मेडिकल आफिसर, श्री कपिल कुमार यति, तहसीलदार, सी.डी.पी.ओ., बी.ई.ई., बी.सी.एम. एवं विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर 24 को

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड मंदसौर अधीक्षण यंत्री द्वारा बताया गया कि म. प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के लिए गठित विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम द्वारा न्यायिक शिविर 24 जुलाई 2025 को दोपहर 3:00 बजे से 5: बजे तक श्रम कल्याण केन्द्र, चंबल कॉलोनी में आयोजित होगा। शिविर में मंदसौर, मल्हारगढ, गरोठ एवं सीतामऊसंभागों के विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा लिखित परिवादों की सुनवाई फोरम सदस्यों की उपस्थिति में की जाएगी। उपभोक्ताओं के लिए शिकायत पंजीयन हेतु आवेदन पत्र कार्यालयों में निःशुल्क उपलब्ध हैं। शिकायतें 24 जुलाई 2025 को शिविर स्थल पर भी स्वीकार की जाएगी। संबंधित सभी उपभोक्ता अपनी लंबति शिकायतों का निराकरण प्राप्त करने हेतु समय पर उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाए। अधिक जानकारी के लिए म. प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड कार्यालय पर संपर्क करें।

श्री सोमनाथ महादेव पर सामुहिक श्री हनुमान पाठ सम्पन्न

मनासा, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सत्संग के माध्यम से सनातन समाज में धर्म के प्रति आस्था को सुदृढ कर सामाजिक समरसता मजबुत करते हुए परिवारो में एक्यभाव पैदा करने की अविरल बहती धारा में 43वां सामुहिक श्रीहनुमान पाठ श्रीसोमनाथ महादेव मंदिर पर भारी संख्या में उपस्थित सनातन परिवारो व्दारा सम्पन्न किया गया। श्रीसोमनाथ महादेव मंदिर पर धर्म ध्वजा व दण्ड की स्थापना की प्रथम वर्षगांठ पर पावन पवित्र श्रावण मास में भोलेनाथ को छप्पन भोग लगाने के साथ ही आयोजित श्रीहनुमान चालीसा पाठ का प्रारंभ मंदिर व्यवस्था समिति के श्री दिनेश मंत्री(मंडी), गोपाल सेन, प्रकाश

राठौर, विष्णु पाटीदार, संदीप कुमावत, सत्यनारायण ग्वाला, कृष्णचंद्र सोनी दिलीप राठौर, चन्द्रप्रकाश विजयवर्गीय, राखी ग्वाला, किरण ग्वाला शंभुलाल कुशवाह, सुनील बैरागी, पं. कंवरलाल जी, पं.आशिष शर्मा आदि ने भगवान श्रीहनुमान जी चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करते हुए किया।

इस अवसर पर भजन गायक राजकुमार मारु सत्यनारायण सोनी, कमल विजयवर्गीय, विजय उपाध्याय, ओम सोनी, श्रीमती उषा वधवा, समरथ खाटवा ने अपने सुमधुर भजनो से श्रीमहादेवजी व श्रीहनुमान जी का गुणगान करते हुए भक्तिरस की बरसात में भक्तो को खुब नृत्य कराया। निरंतर समाचारो के माध्यम से सत्संग की भावना को हर ओर पहुंचाने वाले पत्रकार श्री रामधन विजयवर्गीय, कैलाश सोढानी, विनय मालपानी का सनातन सत्संग मण्डल व्दारा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। भव्य आयोजन के लिये सनातन सत्संग मंडल व्दारा मंदिर व्यवस्था समिति एवं सनातन समाज के प्रति आभार व्यक्त किया गया। अगला 44वां सामुहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ 22/07/2025 मंगलवार को रात्रि 8-30 बजे श्री महादेव मंदिर धनोतिया कालोनी पर सम्पन्न होगा।

सीएओ ने जनपद पंचायत सीतामऊ का औचक निरीक्षण किया

11 कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश, एनआरएलएम के खण्ड प्रबंधक परिहार को बीपीएम के प्रभार से हटाया

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा जनपद पंचायत सीतामऊकार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाखाओं का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत के कई शाखा प्रभारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। जनपद पंचायत में 'एक बगिया मां के नाम' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक भी आहूत की गई। जिसमें सहायक यंत्री, सहायक लेखाधिकारी एवं उपयंत्री अनुपस्थित पाए गए। जनपद के शाखा प्रभारियों में श्री धीरज सिंह, श्री विजय उमठ एवं श्री प्रमोद सोनी अनुपस्थित पाए गए तथा तकनीकी अमले में सहायक यंत्री श्री अमित जमरे, सहायक लेखाधिकारी श्री विपिन सोनी, उप यंत्रीगण श्री मुकेश सैनी, श्री सरफराज़ ख़ान, श्री फिरोज ख़ान, श्री भास्कर शाक्य, श्री मोहित कारपेंटर, श्री ओम प्रकाश सैनी, श्री ऋषभ बाफना अनुपस्थित पाए गए। सीईओ श्री जैन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीतामऊएवं कार्यपालन यंत्री को संबंधितों का एक दिन का वेतन काटते हुए स्पष्टीकरण लेने हेतु निर्देशित किया गया तथा कार्यालयीन अनुशासन, सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुंचे और समय से जनता के काम करें, इस संबंध में सख्त निर्देश दिए गए। मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन में संतोष जनक प्रगति नहीं होने से विकास खण्ड प्रबंधक श्री कालूराम परिहार को इझच के प्रभार से हटाया गया।

स्वीकृत होने के तीन वर्ष बाद भी पूरा नही हुआ मांगलिक भवन का कार्य

पिपलियामंडी, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत सोनी अन्तर्गत गांव अमरपुरा में तीन वर्ष पूर्व स्वीकृत हुआ मांगलिक भवन का कार्य पूरा नही हुआ है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कलेक्टर, जिला पंचायत व जनपद सीईओ को शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच व सचिव का कहना है कि बजट की राशि नही आई है, 10 प्रतिशत रिश्वत देने के बाद राशि आएगी तब काम शुरु होगा। गांव अमरपुरा निवासी विष्णु, प्रकाश, दिलीप, रंजीत, जगदीश, बसन्तीलाल, दीपक, दयाल, श्यामलाल, विष्णु आदि ने बताया कि शासन की योजनानुसार गांव में 3 वर्ष

पूर्व मांगलिक भवन स्वीकृत हुआ था। निर्माण कार्य चालू हुआ, लेकिन कुछ दिन बाद ही बंद हो गया। केवल पिल्लर खडे हुए है। ग्राम पंचायत सरपंच व सचिव को जब कार्य चालू करने की कहा तो उन्होंने कहा कि आगे से बजट नही आया है, बजट आएगा तो उसमें से 10 प्रतिशत रिश्वत देना पडती है। अधिकारियों को शिकायत कर ग्रामीणों ने मांगलिक भवन कार्य पूरा करने की मांग की है।

आरोप गलत है, राशि पूरी नही आई:–ग्राम पंचायत सचिव अमरसिंह चंदेल का कहना है ग्राम के लोगों द्वारा लगाए आरोप गलत है। ग्राम में चार कार्यों के लिए 20 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे। इसमें से 12 लाख की राशि मिली थी, उसमें तीन कार्य पूरे हो चुके है। एक कार्य मांगलिक भवन का शेष है। आदिम जाति विभाग व जनपद पंचायत में इस संबंध में आवेदन भी दिया है। राशि मिलते ही कार्य शुरु हो जाएगा।

सीए ब्रांच द्वारा वर्ल्ड यूथ स्किल डे पर सेमिनार सम्पन्न

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की प्रोफेशनल एनरिचमेंट कमिटी के तत्वावधान में देशभर की सभी ब्रांचों में वर्ल्ड यूथ स्किल डे का आयोजन किया गया। इसी श्रृंखला में मंदसौर सीए ब्रांच द्वारा भी एक प्रेरणादायक सेमिनार आयोजित किया गया।

सेमिनार की मुख्य वक्ता डॉ. आरती जैन रहीं, जिन्होंने अपने प्रभावशाली संवाद एवं मजेदार गतिविधियों के माध्यम से उपस्थित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को टाइम मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स, मॉरल वैल्यूज, एडॉप्टेबिलिटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. आरती जैन का परिचय सीए पूर्वा जैन द्वारा कराया गया। अपने संबोधन में डॉ. जैन ने विशेष रूप से यह संदेश दिया कि किसी भी सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से करनी चाहिए। कार्यक्रम में एक और विशेष क्षण तब आया जब सीए दिनेश जैन को आईसीएआई की प्रोफेशनल एनरिचमेंट कमिटी में सेंट्रल लेवल सदस्य नियुक्त किए जाने पर उपस्थित सदस्यों द्वारा हार्दिक बधाई दी गई एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. आरती जैन को सम्मान स्वरूप मोमेंटो सीए योगेंद्र जैन, सीए राजेश जैन, सीए नयन जैन, सीए रोहन सोमानी एवं सीए सुमित सोनी द्वारा प्रदान किया गया। सेमिनार का कुशल संचालन सीए गौरव गुप्ता ने किया एवं आभार प्रदर्शन सीए नीतेश भदादा ने किया। ब्रांच अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने बताया कि आईसीएआई द्वारा युवाओं की स्किल डेवलपमेंट को लेकर यह पहल पूरे देश में उत्साह के साथ मनाई जा रही है, जिसका उद्देश्य प्रोफेशनल्स को न केवल तकनीकी बल्कि सॉफ्ट स्किल्स में भी दक्ष बनाना है।

यात्रा के समय अभद्र-हिंसात्मक व्यवहार क्यों..?

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में सडकों व बाजारों में यह देखने में आ रहा है कि कांवड यात्रियों , राहगिरों - दुकानदारों का व्यवहार कहीं कहीं एकदम अमानवीय हो चला है। अपने अपने मत व कार्य पर टीके लोग एक तरफा उन्माद पैदा कर लडाई-झकडे ,मारा - कूटी पर उतरने लगे हैं। कहीं विशेष जन शामिल हैं तो कहीं व्यवस्था बनाने वाले ।सबने मानवीयता कानून व नियम को ताकि पर रख सा दिया है। श्रावण मास में तो ये मंदिरों में धार्मिक वातावरण के साथ राहों में दर्शनीय स्थलों पर कहीं हुडदंग व ध्वंस देखने में आता है। कई जगह कारों, बसों, दो पहिया - तिपहिया वाहनों पर पर लठ्ठ बरसाये जाने के वीडियो आम हो रहे हैं तो कहीं रास्तों की वस्तुओ को तोड फोड जलाने के दृश्य उग्र हो रहे हैं। कारण के समाधान के बजाय ये कुटाई - तोडफोड का कार्य क्यों ? इससे तो हमारी धार्मिक आस्था खंडित होते नजर आती है। धर्म - अध्यात्म का जो दर्शन है वह खंडित हो जाता है। धर्म के ध्येय की बातें मनों से व व्यवस्था से तिरोहित होती जा रही है।

मार्ग में कांवड यात्रियों को भी सोचना चाहिए कि शासन ने जो व्यवस्था बनाई उसमें रहकर चले व कभी कोई छू जाए तो धैर्य पूर्वक या कानून का उपयोग कर उसका समाधान निकालें। बसों आटो, कारों, बाइक, दुकानों की तोड फोड से हमारा शांति प्राप्त करना व जल चढाने का उद्देश्य खत्म हो जाता है। जिस पवित्र जल को सम्मान पूर्वक हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं यह जल हमारे जीवन का प्रतीक है उर्जा का प्रतीक है सबके सुख समृद्धि की कामना के लिए ही तो हम यात्रा करते हैं। हमारे अपने लिए, परिवार के लिए , आस पास पडोसियों के लिए , समाज और राष्ट्र के लिए तो फिर क्रोध क्यों? यदि कुछ हो जाता है तो शांति के साथ व्यवस्था को साथ लेकर उसका निपटारा किया जाना चाहिए और पुन: अपने लक्ष्य या राह में चल पडें। क्योंकि जो लक्ष्य पूरा करने के लिए आप निकले थे वो तो करना ही है अत: पुन: चल पडो राह रास्ता तकती है , बजाय क्रोध में आकर विध्वंस करने के। पवित्र कार्य करते समय विध्वंस से बचना चाहिए। धार्मिक संस्थाओं व व्यक्तियों का भी ये दायित्व है कि जहाँ से ये यात्रा प्रारंभ हो उनको यात्रा की कठिनाई व बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में दिशा निर्देश दें कि कैसे कोई समस्या आने पर , शांति बनाए रखकर अपनी समस्या का समाधान करें। किसी भी धर्म जति के व्यक्ति हों उनको अपने अपने गुरुओं का मार्ग दर्शक व सहयोगियों द्वारा ये मंत्रणा देनी चाहिए। व्यवस्था के पेरोकारों को भी जगह जगह उद्घोषों द्वारा इनको मार्गदर्शन व सुझाव देना चाहिए ताकि रास्ते में मारा कूटी व वाहनों को नष्टकरने से बचाया जा सके। कई जगह यह देखने में आता है कि मंदिरों में दर्शन करने जाने वाले यात्रियों के साथ , जरा जरा सी बात पर दुकानदार जिनकी दुकानें बाजार को संकरा कर देती है मारपीट व छीना झपटी करने लग जाते हैं। बरसते पानी में खाटू श्याम के मंदिर के पास दुकानदारों द्वारा महिला व पुरुष यात्रियों के साथ लाठी से कुटाई का एक वायरल विडियो देखने में आया। वहीं सांवरिया सेठ राजस्थान में दर्शनाधियों को डंडों से पीटे जाने का दृश्य। ऐसे अन्य दृश्य अन्य जगहों पर दिखाई दे जाते हैं कहीं दर्शन के लिए, फूल-पत्तियां -प्रसाद बेचने की जबरन वसूली भी दिखाई देती है ऐसे में बेचारा सामान्य यात्री क्या करें ।

ऐसी घटनाओं पर रोक लगे व ये न हों इसके लिए इन पर नजर रखकर उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि ऐसे सहभागियों को धैर्य से काम लेने के दिशा निर्देश देने चाहिए । इस कार्य में लगे कर्मचारियों को भी धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहे ऐसा यात्रियों के साथ वर्ताव करना चाहिए। यात्रियों के पडाव या यात्रा के बीच बीच में इनको सुझाव व मार्गदर्शन व सहयोग की व्यवस्था की जाना चाहिए ताकि कोई दुर्घटना न हो व उग्रता प्रदर्शित होकर हिंसा न हो ताकि यात्राओं, यात्रियों, राहगिरों, दुकानदारों व व्यवस्था कारों में सामञ्जस्य बना रहकर कार्य शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न होता रहे और किसी भी दुर्घटना व विध्वंस से बचा जा सके।

भगवती प्रसाद गेहलोत,
पिपलियामंडी

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	35	2046	2355
उडद	14	4100	5801
सोयाबीन	7253	3450	4300
गैहु	7601	2431	2911
चना	272	5000	5750
मसुर	85	6000	6851
धनिया	2109	5412	7111
लहसुन	15500	2400	8200
मैथी	1018	3500	5876
मुंगफली	897	4200	5300
अलसी	1877	6951	7401
सरसो	472	6499	6950
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	67	6500	11401
प्याज	4991	221	1201
कलोंजी	18	17900	20501
तुलसी बीज	24	12800	14651
डॉलर	120	6450	9400
तिल्ली	402	6801	9300
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	8	3693	3751
असालीया	36	6000	6350
मूंग	5	2301	5800

नशा केवल स्वास्थ्य नहीं सामाजिक ताने-बाने को भी करता है छिन्न-भिन्न-मुख्यमंत्री

डीजीपी मकवाना ने मुख्यमंत्री के संदेश एवं अभियान के पोस्टर का किया विमोचन, 30 जुलाई तक चलेगा राज्य स्तरीय अभियान, प्रदेशवासियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करेगी मध्यप्रदेश पुलिस

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नशा एक सामाजिक बुराई है। जो युवाओं, परिवार और समाज की जड़ों को खोखला बना रही है। नशे की जद में आकर कई परिवार उजड़ जाते हैं। नशा नाश की जड़ है, जो न केवल स्वास्थ्य को खत्म करता है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में मंगलवार से 30 जुलाई तक प्रारंभ हुए नशामुक्ति अभियान - 'नशे से दूरी है जरूरी' के शुभारंभ अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अत्यंत दुःखद है कि युवाओं के बीच नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा देश का भविष्य हैं, उन्हें इस दलदल से बचाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह संकल्पित है। 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान चलाने का उद्देश्य न केवल नशे को रोकना है बल्कि समाज में नई चेतना जागृत करना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से म.प्र. पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने का आहवान किया है।

डीजीपी ने किया अभियान का शुभारंभ-पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने पुलिस मुख्यालय, भोपाल में मंगलवार को वृहद नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी-है जरूरी का शुभारंभ किया उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वीडियो संदेश तथा अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया। विशेष पुलिस महानिदेशक सी.आई.डी. श्री पवन श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स श्री के.पी. वेंकटेश्वर, पुलिस महानिरीक्षक ए.एन.ओ. डॉ. आशीष, पी.एस.ओ.टू. डीजीपी श्री विनीत कपूर, सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्री संजीव कुमार कंचन एवं एसओ टू डीजीपी श्री मलय जैन उपस्थित थे। डीजीपी श्री मकवाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रेरणा से समाज में नशे की प्रवृत्ति की प्रभावी रोकथाम के लिए यह जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी-है जरूरी मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन युवाओं को खोखला कर उनके परिवारों को भी बर्बाद कर रहा है। देश एवं प्रदेश के शीर्षस्थ राजनैतिक नेतृत्व भी इस विकराल समस्या से चिंतित एवं इसके निदान के लिये प्रयासरत है। समाज की ये नैतिक जिम्मेदारी है कि नशे के दुष्प्रभावों से विशेषकर किशोर बच्चों और युवाओं को अवगत कराएँ और नशे से दूर रखें। उन्होंने कहा कि हमारा है यही संदेश- नशा मुक्त हो मध्यप्रदेश। अभियान में उच्च शिक्षा, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगरीय विकास एवं आवास और स्कूल शिक्षा विभागों सहित एनजीओ और धार्मिक संस्थान की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

हर दिन होंगी जागरूकता की गतिविधियां-अभियान के अंतर्गत पूरे प्रदेश में प्रतिदिन विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी जिनमें स्थानीय रेडियो और एफएम चैनलों के माध्यम से प्रसारण, सार्वजनिक स्थलों पर बैनर, पोस्टर, होर्डिंग का प्रदर्शन और पंपलेट का वितरण शामिल है। प्रिंट मीडिया, बस अड्डों और प्रमुख चौराहों पर डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से वीडियो प्रचार किया जाएगा। सफाई वाहनों पर लगे पीए सिस्टम से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर हैशटैग ×नशेमसेमदूरीमहैमजरूरी, ×ड्रू छविडीजीपी, ×छीहेर्जीचिझ के माध्यम से व्यापक संदेश भी प्रसारित किए जाएंगे। अभियान के दौरान प्रत्येक आयोजन स्थल पर नशामुक्ति से संबंधित सेल्फी पॉइंट बनाए जाएंगे जिससे आमजन की भागीदारी को और प्रोत्साहन मिल सके। नारकोटिक्स से संबंधित शिकायतों और परामर्श के लिए हेल्पलाइन नंबर 1933 एवं 14446 और वेबसाइट https://ncbmanas.gov.in का व्यापक प्रचार किया जाएगा। अभियान में प्रचार सामग्री जैसे कैप्स, रिस्टबैंड, बैजेस, पोस्टर और बैनर भी वितरित किए जाएंगे। प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों के छात्रावासों में छात्रावास नशामुक्ति समितियों का गठन किया जाएगा। अभियान में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था, अखिल भारतीय गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, हार्टफुलनेस जैसे सामाजिक व धार्मिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है। सामाजिक न्याय एवं एमएसएमई विभाग द्वारा प्रशिक्षित 'मास्टर वॉलंटियर्स' नागरिकों व छात्रों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित करेंगे। 'कला पथक दल' द्वारा नुक्कड़ नाटक, गीत, संगीत के माध्यम से भी जनजागरूकता फैलाई जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं जैसे Alcoholics Anonymous Am¡a Narcotics Anonymous भी इस अभियान में अपना योगदान देंगी। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 'युवा संगम' के अंतर्गत 'प्रहरी क्लब' / 'ओजस क्लब' और 'उमंग मॉड्यूल' के माध्यम से छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित 'चरहिळी अर्नि' के माध्यम से नशा पीड़ित व्यक्तियों को चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। मेडिकल और टेक्नीकल कॉलेजों सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के सहयोग से पोस्टर, शॉर्ट मूवी और जागरूकता संदेश साझा किए जाएंगे।

मामला रतलाम में एंबुलेंस से पकड़ाई एमडी का...

सवालों के घेरे में है मंदसौर की एंबूलेंस..?

जननी एक्सप्रेस चालकों से पकड़ाई एमडी ड्रग मामले में एक और आरोपी पकड़ाया

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस एमडी, गांजा, डोडाचूरा, अफीम जैसे महंगे ड्रग्स का मंदसौर गढ़ बन चुका है। तस्करी के इस खेल ने मंदसौर से चलने वाली विभिन्न एंबुलेंस के संचालन पर भी सवाल खड़े कर दिए है। कारण यह है कि पहले ही निगमों को ताक पर रखकर कई एंबुलेंस चल रही है। इधर अब सरकारी अस्पतालों में अटेच एंबुलेंस में भी तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं। पहले भी एंबुलेंस में तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। रतलाम जिले की रिंगनोद पुलिस द्वारा बरामद की गई एमडी का कनेक्शन सीधे-सीधे मंदसौर से ही जुड़ा है। पकड़े गए दोनों आरोपी मंदसौर जिले के थे। वहीं तस्करी भी भावगढ़ सरकारी अस्पताल में अटेच जननी एक्सप्रेस से हो रही थी। इस मामले में मंदसौर जिले के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, उस पर आरोप है कि एमडी उसी से लाई गई थी। बताया यह भी जाता है कि यह आरोपी एमडी राजस्थान से लाया था। इसके अलावा आरोपी पूर्व में जननी एंबुलेंस का चालक था। कहीं न कहीं एंबुलेंस में तस्करी का बड़ा नेटवर्क अभी भी चल रहा है। अब रतलाम पुलिस इस नेटवर्क को का पता लगाने में लगी हुई है।

रतलाम की रिंगनोद थाना पुलिस ने भावगढ़ अस्पताल में अटेच एम्बुलेंस में एमडीएमए ड्रग्स की तस्करी के मामले में 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके बयानों के आधार पर पुलिस ने मंदसौर जिले के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने इन दोनों ड्राइवरों को ड्रग्स की सप्लाई की थी। खास बात ये है कि पकड़ा गया तीसरा आरोपी भी पहले इसी तरह जननी 108 एम्बुलेंस पर ड्राइवरी करता था। लेकिन, अब उसने काम छोड़ दिया। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया कि 13 जुलाई को मुखबिर सूचना पर रिंगनोद थाना पुलिस ने छत्रीसराग पारिंग एक एम्बुलेंस जब्त की। उसमें सवार चालक ललित पाटीदार निवासी अंबिका नगर दलौदा और साथी ड्राइवर सुभाष बैरागी निवासी ग्राम कोटड़ा बहादुर जिला मंदसौर को गिरफ्तार किया था।

इनके कब्जे से डेढ़ लाख रुपए कीमत की 100 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स जब्त की थी। ललित और सुभाष को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की। उन्होंने बताया कि वे मंदसौर जिले की सीतामऊ तहसील के गांव फतेहपुर चिकली निवासी अनिल पिता मांगीलाल सूर्यवंशी से ड्रग्स लेकर आए थे। पुलिस ने अनिल को भी गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी आनंद सिंह आजाद ने बताया कि अनिल सूर्यवंशी को कोर्ट में पेश करके 17 जुलाई तक का रिमांड लिया है। अब उससे पूछताछ कर रहे हैं कि वह राजस्थान में किस तस्कर के जरिये उक्त ड्रग्स मंगवाता था। ये जावरा में किसे देने की प्लानिंग से आए थे, इसकी भी पड़ताल कर रहे हैं।

एम्बुलेंस नेटवर्क कितना मजबूत, तलाश रही पुलिस...

पुलिस के मुताबिक उक्त एम्बुलेंस भोपाल की जय अंबे इमरजेंसी सर्विस के नाम रजिस्टर्ड है। चूंकि पकड़ा गया तीसरा आरोपी भी पहले एम्बुलेंस चलाता था। इसलिए, अब पुलिस एम्बुलेंस नेटवर्क कितना मजबूत है, यह जांच करने में जुटी है। एसडीओपी मालवीय ने बताया कि एम्बुलेंस के साथ पकड़े गए आरोपी ललित और सुभाष ने पुलिस को जानकारी दी कि जय अंबे इमरजेंसी सर्विस कंपनी ने मुरैना निवासी भरत शर्मा को पेटी कांट्रेक्ट दिया था। फिर भरत ने सुभाष व इन्हें ड्राइवरी के काम पर रखा और वही इन्हें वेतन दिलवाता है। हालांकि, अभी इस तस्करी में कंपनी या फिर पेटी कांट्रेक्टर का कोई लिंक सामने नहीं आया है। चूंकि 03 ड्राइवर पकड़ाए और तीनों एम्बुलेंस चलाने से संबंधित रहे हैं इसलिए पुलिस मामले की तह तक जाने में जुटी है।

एमपी के पैरामेडिकल कॉलेज की मान्यता प्रक्रिया पर रोक

हाईकोर्ट ने दिया आदेश, बैकडेट में दी जा रही थी 2023 सत्र की मान्यता

जबलपुर, 16 जुलाई। एमपी हाईकोर्ट ने पैरामेडिकल कॉलेजों की मान्यता को लेकर सुनवाई करते हुए बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने उन कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया पर रोक लगा दी है जो बिना नियमों के मान्यता दे रहे थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मध्यप्रदेश में जितने भी पैरामेडिकल कॉलेज हैं उनकी मान्यता प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगाई जाती है।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि कॉलेजों को सत्र 2023 की मान्यता बैकडेट में दी जा रही थी। इसके अलावा मेडिकल यूनिवर्सिटी में एनरोलमेंट के बिना ही छात्रों को दाखिले दिए जा रहे थे। इस मामले की सुनवाई नर्सिंग घोटाले से जुड़ी जनहित याचिका के दौरान हुई। लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में एक अतिरिक्त आवेदन पेश किया। जिसमें बताया गया कि नर्सिंग की तरह ही पैरामेडिकल कोर्स में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हो रही है। आवेदन में बताया गया कि एमपी पैरामेडिकल काउंसिल ने 2023-24 व 2024-25 सत्र की मान्यता बिना किसी जांच या निरीक्षण के बांट दी। यह भी आरोप लगाया गया कि कई सरकारी व निजी पैरामेडिकल कॉलेज बिना यूनिवर्सिटी की संबद्धता के अवैध रूप से छात्रों को एडमिशन दे रहे हैं। जिन कॉलेजों को नर्सिंग घोटाले की जांच में सीबीआई ने अनसूटेबल बताया था। उन्हीं इमारतों में अब पैरामेडिकल कॉलेज चलाए जा रहे हैं और उन्हें मान्यता दी जा रही है। हाईकोर्ट ने इस गंभीर मामले को स्वतः संज्ञान में लेते हुए निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता का नया आवेदन अलग जनहित याचिका (पीआईएल) के रूप में पंजीबद्ध किया जाए। साथ ही मध्यप्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल के चेयरमैन व रजिस्ट्रार को भी इस मामले में पक्षकार बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मध्यप्रदेश का बहुचर्चित नर्सिंग घोटाला अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रदेश में लगातार नर्सिंग कॉलेजों में नियमों को ताक पर रखकर फर्जी मान्यता दिलाने का खेल जारी है। इससे जुड़ी एक कॉल रिकॉर्डिंग वायरल हो रही है। जिसमें एक व्यक्ति प्राइवेट नर्सिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ऑल इंडिया के प्रेसिडेंट राम मिलन सिंह हैं। दूसरे एक निजी कॉलेज के संचालक हैं।

24 जुलाई को अगली सुनवाई-हाईकोर्ट ने पूरे प्रदेश के पैरामेडिकल कॉलेजों की मान्यता व एडमिशन प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए अगली सुनवाई की तारीख 24 जुलाई तय की है। इस दिन सभी नर्सिंग घोटालों से जुड़ी याचिकाओं पर भी सुनवाई होगी।

चित्तौड़गढ़ में अवैध हथियार के साथ धराया मंदसौर का आरोपी

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस चित्तौड़गढ़ पुलिस ने अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ मंदसौर जिले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चित्तौड़गढ़ पुलिस कप्तान सुधीर जोशी ने बताया कि सूचना मिलने पर हाईवे रोड जलिया पर नाकाबन्दी शुरू की गई। दौराने नाकाबन्दी एएसआई सूरज कुमार को जरिये मुखबीर सूचना मिली की नीमच की तरफ से एक मारुती सुजुकी फोक्स कार आ रही है जिसमें चालक के पास अवैध पिस्टल व जिन्दा कारतुस होने की सम्भावना है। सूचना अनुसार नीमच की तरफ से आई मारुती सुजुकी कार को नाकाबन्दी स्थल पर बेरियर लगाकर रोका गया। कार चालक 48 वर्षीय रमेश चन्द्र पाटीदार पिता टेकचन्द पाटीदार निवासी रठाना, थाना अफजलपुर जिला मन्दसौर (म.प्र.) की तलाशी में एक अवैध पिस्टल व तीन जिन्दा कारतुस मिले। उक्त पिस्टल व जिन्दा कारतुस एवं कार को जब्त कर आरोपी रमेश चंद्र पाटीदार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी रमेश चन्द्र पाटीदार से पिस्टल व कारतुस की खरीद फरोख्त के सम्बन्ध में अनुसंधान जारी है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

मनासा, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के हनुमंतिया गांव निवासी वर्दीचंद मीणा उम्र 35 वर्ष की सड़क दुर्घटना के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। बीती 08 जून को वर्दीचंद बाइक से मंदसौर जा रहे थे। नयाखेड़ा के पास एक वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायल वर्दीचंद को पहले मंदसौर के बड़े अस्पताल ले जाया गया। चोटों की स्थिति को देखते हुए उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया। उदयपुर में कुछ दिनों के उपचार के बाद परिजन उन्हें नीमच के कनावटी स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। कनावटी अस्पताल में उपचार के दौरान वर्दीचंद ने अंतिम सांस ली। बड़े अस्पताल की पुलिस चौकी ने मृतक का पोस्टमॉर्टम कराया। शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन की अब तक तलाश कर रही है।

स्थायी समिति की बैठक 23 को

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत मंदसौर की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में 23 जुलाई 2025 को समय दोपहर 1:00 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित होगी।

जैल में मोबाईल से चलाया अपराध का नेटवर्क...

हथियार तस्करी में तीन गुर्गे फिरोजाबाद जैल से ट्रांजिट रिमांड पर लाए गए

छोटी सादड़ी में एक की गिरफ्तारी से खुला नेशनल नेटवर्क

मंदसौर/प्रतापगढ़, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस प्रतापगढ़ जिले की छोटीसादड़ी पुलिस ने हथियारों की सप्लाई जाल तोड़ते हुए फिरोजाबाद जेल में बंद तीन कुख्यात अपराधियों को प्रोडक्शन वारंट से गिरफ्तार किया है। ये आरोपी अंकल गिरोह से जुड़े हुए हैं और इन्होंने सलमान जैसे खतरनाक अपराधी तक असलाह पहुंचाया था। कुछ समय पहले गंगधार के मालपुरा बाजार से राकेश नामक युवक को एक ऑटोमेटिक देशी पिस्टल और दो खाली मैगजीन के साथ पकड़ा था। पूछताछ में सामने आया कि हथियार नागदा निवासी सलमान तक पहुंचते हैं, जो पहले से ही पुलिस के रडार पर था। सलमान को दबोचने के बाद भारी मात्रा में देशी-विदेशी हथियार और जिंदा कारतूस जब्त किए।

इस खुलासे के बाद विनीत कुमार बंसल ने हथियार तस्करी के नेटवर्क तक पहुंचने के निर्देश दिए। थानाधिकारी प्रवीण टांक के नेतृत्व में छोटीसादड़ी पुलिस टीम ने 14 जुलाई को फिरोजाबाद जेल से प्रोडक्शन वारंट पर तीन कुख्यात आरोपियों राहुल, सागर और नितिन को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों का संबंध अंकल उर्फ प्रवीण वर्मा और जितेंद्र सिंह से था, जो इनसे हथियार लेकर राकेश और सलमान तक पहुंचाते थे। आरोपी हथियारों के नंबर मिटाकर अवैध रूप से बेचते थे। राहुल के नाम पर एक घर हाउस भी था, जो अब सीज हो चुका है। इन तीनों को हाल ही में हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा मिली है।

आरोपियों के लिए सेफ जोन जैल...

उज्जैन, फिरोजाबाद और प्रतापगढ़ तक फैले हथियार तस्करी के नेटवर्क में कैदियों की सीधी भागीदारी सामने आई है। हथियार, कारतूस, मोबाइल फोन और नेटवर्क के संचालन का तरीका यह बताने के लिए काफी है कि जेल अब केवल सजा भुगतने की जगह नहीं रही, बल्कि अपराधियों के लिए सेफ जोन बन गई हैं।

कॉलिंग ऐप्स के जरिए जैल से बातचीत करता था सलमान...

आरोपी सलमान के पास से जब 14 देशी-विदेशी हथियार और 1860 जिंदा कारतूस बरामद हुए तो मामला गंभीर हो गया। सलमान पहले से ही जेल में बंद था। इसलिए उसे प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया था। पूछताछ में सामने आया कि वह जेल में रहते हुए भी अपने पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था। इसी केस की कड़ी में यूपी के फिरोजाबाद से प्रवीण वर्मा उर्फ अंकल और गुलाम हुसैन की गिरफ्तारी हुई, जो सलमान को हथियार सप्लाई करते थे। पूरा गिरोह मोबाइल और कॉलिंग ऐप के जरिए बातचीत करता था। जो बातें सामने आई, वे इतनी चौंकाने वाली थी कि पुलिस और जेल प्रशासन दोनों बैकफुट पर आ गए।

लोक निर्माण विभाग :मंजूरी लिये बिना मुख्यालय छोड़ा तो होगी कारवाई

भोपाल, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस मंजूरी लिये बगैर मुख्यालय छोड़ने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश के लोक निर्माण विभाग यानि पीडब्ल्यूडी ने ये सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने खासतौर पर इंजीनियर्स के लिए अपने कार्य क्षेत्र से बाहर जाने पर पाबंदी लगा दी है। विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि अवकाश की अनुमति लिए बिना मुख्यालय से बाहर जानेवाले कर्मचारियों, अधिकारियों पर हर हाल में कार्रवाई की जाएगी।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह विभाग की छवि बदलने की कवायदों में जुटे हैं। इसके लिए कामकाज में कसावट पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में अफसरों को अवकाश की अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने पर पाबंदी लगाई गई है। ऐसा पाए जाने पर कार्रवाई की बात कही गई है। पीडब्लूडी के उपसचिव ने इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि विभाग के इंजीनियर और अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर न जाएं। विभाग के प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता और उनके स्तर के अधिकारियों को प्रमुख सचिव से अनुमति लेकर ही मुख्यालय छोड़ने की हिदायत दी गई है। इसी प्रकार अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री स्तर के अधिकारियों को प्रमुख अभियंता से मंजूरी लेने के निर्देश दिए गए हैं।

जैविक उत्पादों के विक्रय हेतु बनाया जाएगा केंद्र

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग के विशेष प्रयासों से कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पाद उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर को मिले एवं जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को अपनी फसलों का उचित दाम सही समय पर मिले इसके लिए एक विशेष प्रयास किया जा रहे है। जैविक एवं प्राकृतिक खेती के अंतर्गत गेहूं, चना, सरसों, तिल गाजर, फल, सब्जियां, हल्दी, इत्यादि अन्य सभी खाद्यान्न सामग्री को बेचने हेतु किसानों को एक प्लेटफार्म प्रदान किया जाएगा। मंदसौर जिले के जो किसान भाई प्रमाणित जैविक एवं प्राकृतिक खेती कर रहे हैं वह अपना पूरा नाम, पता, कौन-कौन सी फसलें जैविक खेती कर रहे हैं, कि जानकारी मोबाईल नंबर 9406514993 पर मेसेज के माध्यम से साझा करें। या कृषि विज्ञान केंद्र मंदसौर में आकर भी दे सकते हैं। जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी एकत्रित करने का प्रमुख उद्देश्य है कि, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों की बिक्री की उचित व्यवस्था करना तथा उपभोक्ताओं तक सीधे पहुंच बनाना है। इससे किसानों को अपनी फसलों का उचित दाम भी मिलेगा। साथ ही फसलों के विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा भी नहीं होगी। किसानों से उपभोक्ता भी संपर्क में रहेंगे। जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसान अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 9406514993 या कृषि विज्ञान केन्द्र सितामऊ फाटक मंदसौर पर संपर्क करें।

कॉलोनियों, बहुमंजिला भवनों के लिए शर्त...

बिछानी होगी अलग-अलग 'पाईप लाईन'

भोपाल/मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस नई कॉलोनियों, बहुमंजिला भवनों को ड्यूल पाइप लाइन बिछाने की शर्त पर ही ले-आउट मंजूर होगा। अब पानी के लिए यहां दो अलग-अलग पाइप लाइन बिछानी होगी। एक लाइन से पेयजल आपूर्ति होगी, जबकि दूसरी लाइन से एसटीपी में ट्रीट हुआ पानी होगा जो बाथरूम में अन्य उपयोग में लिया जाएगा। इससे पानी की बचत होगी। इसके लिए टीएंडसीपी ने नियम में बदलाव किया है।

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम होगा जरूरी-ड्यूल पाइप लाइन सिस्टम लागू करने के साथ ही हाइराइज भवनों के नीचे वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को भी जरूरी किया जा रहा है। इससे पूरी बिल्डिंग का पानी सीधे नीचे जमीन में उतर जाएगा। ये भूजल बढ़ाने में मददगार साबित होगा। 41 इंच बारिश होने पर एक लाख वर्गमीटर दायरे में बना भवन करीब दस लाख लीटर पानी जमीन में उतार देता है। भोपाल सहित प्रमुख शहरों एवं अनेक नगर पालिका क्षेत्रों में इस समय कई बड़ी इमारतें हैं। यानी इनसे अरबों लीटर पानी जमीन में उतारकर भूजल स्तर बढ़ाया जा सकता है। इसका संचय करने पर ये भी जरूरत पड़ने पर दूसरी लाइन से अन्य कामों के लिए आपूर्ति किया जा सकेगा।

डिजिटल कम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर भी जरूरी-नए भवनों में डिजिटल कम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर भी जरूरी किया गया है। यानि इंटरनेट से लेकर इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सर्वर, वाईफाई और इसी तरह की सुविधाएं कॉलोनी, इमारत में विकसित करना जरूरी है, ताकि लोगों को इनका लाभ मिल सके। जरूरतों और स्थितियों के अनुसार कॉलोनी विकास में नए नियमों के तहत काम किया जा रहा है। ये आमजन के लिए उपयोग ही साबित हो रहे हैं।

श्रीकांत बनोठ, आयुक्त सह संचालक टीएंडसीपी

बीमारियों से बचाव हेतु विद्यार्थियों को जानकारी दी

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलावद में डेंगू निरोधक माह जुलाई 2025 की स्कूल गतिविधि आयोजित की गई। जिसमें प्रभारी प्राचार्य श्रीमती प्रीती गौड़ एवं श्री मलेरिया इंस्पेक्टर एम एल गौड ब्लॉक के द्वारा छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया के बचाव एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर वंदन जैन एवं मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर के द्वारा डेंगू एवं मलेरिया के बचाव के बारे बच्चों को जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं छात्र-छात्राओं को गिफ्ट स्वरूप बोटल, बाल पेन प्रदान किया गया।

श्री एम एल गौड मलेरिया इंस्पेक्टर द्वारा बताया गया कि माह जुलाई 2025 डेंगू माह के रूप में मनाया जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य डेंगू रोग वाहक मच्छरों की उत्पत्ति पर रोक लगाना है और मच्छर को वयस्क होने से पहले लार्वा अवस्था में ही नष्ट करना है प्रति सप्ताह सूखा दिवस मनाएं समस्त जल पात्र- कूलर/ टायर /गमलादन / मटके/ इत्यादि का पानी खाली करें एवं उन्हें साफ करके सुखाये। उपस्थित छात्र- छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया से बचाव हेतु जागरूक किया गया।

नई एपीटी एप्लिकेशन केअपग्रेडेशन तहत 21 को डाकघर की सेवाएं रहेंगी बंद

मंदसौर, 16 जुलाई गुरु एक्सप्रेस अधीक्षक डाकघर द्वारा बताया गया कि डाक विभाग द्वारा एपीटी एप्लिकेशन उन्नत प्रणाली को मंदसौर एवं नीमच जिले के सभी डाकघरों में 22 जुलाई 2025 से लागू किया जा रहा है। उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म के निर्बाध और सुरक्षित संचालन को बनाए रखने के लिए 21 जुलाई 2025 को नियोजित अवकाश (डाउनटाइम) निर्धारित किया गया है। 21 जुलाई 2025 को डाकघरों में कोई सार्वजनिक लेन-देन नहीं किया जाएगा। डाकघरके ग्राहक असुविधा से बचने के लिए अपने डाकघर संबंधी कार्य 21 जुलाई 2025 से पूर्व ही कर लें। यह अस्थायी सेवा निलंबन डेटा माइग्रेशन, सिस्टम सत्यापन और कॉन्फ़िगरेशन प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए आवश्यक है, ताकि नई प्रणाली को सुचारू और प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

कार्यालय जनपद पंचायत मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-1745/मनरेगा/2025-26 मंदसौर, दिनांक-16.07.2025

❋❋❋ किराये पर वाहन हेतु ❋❋❋

जनपद पंचायत मंदसौर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम म.प्र. के सुचारु संचालन एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की सतत निरीक्षण एवं मॉनीटरिंग हेतु एक डीजल जीप (बोलेरो एनईओ) मय ड्रायवर टेक्सी परमिट सहित की आवश्यकता है, मासिक किराये पर लिया जावेगा। वाहन अधिकतम 02 वर्ष से अधिक पुराना नहीं लिया जावेगा।

इच्छुक निविदाकर्तागण दिनांक 24.07.2025 को अपरान्ह 03 बजे तक निविदा प्रपत्र जनपद पंचायत मंदसौर में जमा करा सकते है। प्राप्त निविदा दिनांक 24.07.2025 को जनपद पंचायत मंदसौर में सायं 05 बजे खोली जावेगी।

निविदा संबंधी विस्तृत शर्तो का अवलोकन जनपद पंचायत मंदसौर में कार्यालयीन समय (अवकाश को छोड़कर) में किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत मंदसौर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर (म.प्र.)

E-mail - modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1163/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक -14.07.2025

//// सूचना ////

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक एफ दयाराम कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. दयामंदिर परिसर, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18-क के तहत उत्खनिपट्टा नवकरण प्राप्त करने हेतु आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 27.06.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

❋ आवेदन का संक्षिप्त विवरण ❋

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमि स्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	दलौदा	एलची	1374	4.000 हे.	शासकीय	गिट्टी पत्थर (क्रेशर आधारित)	---

उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला मंदसौर में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरान्त प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा, जिला मंदसौर (म.प्र.)

G-15703/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों कर रहे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है एवं विज्ञापनों में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in